

These facilities are aimed at reducing the dependence on conventional sources of energy and promoting sustainable energy practices.

1. SOLAR ENERGY

The solar energy system installed on the campus generates clean energy that is used for lighting, heating, and cooling purposes.

**POWER PURCHASE AGREEMENT
FOR
DESIGN, MANUFACTURER, SUPPLY, ERECTION, TESTING AND
COMMISSIONING INCLUDING WARRANTY, OPERATION
& MAINTENANCE OF 480 KWP AND ROOF-TOP SOLAR PV POWER SYSTEM**

BETWEEN

**MEWAR EDUCATION SOCIETY
(Sector-5, Gandhi Nagar, Chittorgarh - 312001, Rajasthan)**

AND

**Madhav Infra Projects Ltd.
(Madhav House, Plot # 4, Nr. Panchratna Tower, Subhanpura,
Vadodara)**

Signature of
अध्यक्ष
मेव - एजुकेशन सोसायटी
चित्तौड़गढ़ (राज.)





Solar equipped Campus

2. BIOGAS PLANT

The biogas plant in the university aims to fulfill the energy needs as alternate source of energy.



3. WHEELING TO GRID

The institution also has the provisions to wheel excess energy if generated to the grid, thus reducing the overall carbon footprint. These facilities not only contribute to a sustainable future but also promote awareness and education about renewable energy and energy conservation.

4. SENSOR BASED ENERGY CONSERVATION/ USE OF LED BULBS/ POWER-EFFICIENT EQUIPMENT

The use of LED bulbs and power-efficient equipment will help in reducing energy consumption and lowering the electricity bills.



SENSOR BASED ENERGY EQUIPMENT



USE OF LED BULBS THROUGHOUT THE CAMPUS

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सोलर इन्क्युबेशन सेन्टर की स्थापना



चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनर्जी स्वराज फाउण्डेशन के संयुक्त प्रयास से विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विभाग में सोलर इन्क्युबेशन सेन्टर की स्थापना की गई। इसके तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया गया जिसका समापन 9 जून को हुआ। इसके समन्वयक इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष दीपक कुमार जोशी रहे। एनर्जी स्वराज फाउण्डेशन के ललित मदोरिया ने छात्रों को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कौशल पर प्रशिक्षण दिया। डिप्टी डीन इंजिनियरिंग कपिल नाहर ने कहा इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में कौशल के साथ ही आत्मविश्वास भी जगाते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष दीपक कुमार जोशी ने कहा कि परम्परागत कार्बनयुक्त पेट्रोलियम उत्पाद आधारित उर्जा स्रोत की सीमितता और उसके द्वारा सृजित वातावरणीय प्रदूषण के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सौर उर्जा का महत्व और भी बढ़ जाता है इस सोलर इन्क्युबेशन सेन्टर की स्थापना से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इस क्षेत्र में निपुण हो जायेंगे। इससे वह देश को सौर उर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

Establishment of Solar Incubation center in collaboration with Energy Swaraj